RNI NO. 45823/1986 REGISTRATION NO. DL(DS)-02/MP/2025-26-27, DL(ND)-11/6042/2024-25-26; LICENSED TO POST WPP NO U(C)-31/2024-26; FARIDABAD/46/2023-25 www.indiatodayhindi.com

अधिम साप्ताह के लिए प्रत्येक शनिवार को प्रकाशित; एलपीसी दिल्ली-आरएनएस-दिल्ली-110006 से प्रत्येक शनिवार और सोमवार को प्रेषित; कुल पन्नों की संख्या 106 (आवरण सहित) वर्ष 39; अंक: 37

OC

एक्सक्लूसिवः देश के उम्दा विश्वविद्यालय

राजस्थानः मौत की पाठशालाएं | बिहारः तराई में जल संकट

13 अगस्त, 2025 60 रुपए

इंडिया टुडे

शेयर बाजार

नए तेजड़िए

साहसी और वित्तीय मामलों में चतुर लाखों छोटे निवेशक देश में शेयरों को नई ऊंचाई पर ले जा रहे

विश्व-स्तरीय शिक्षा की ओर अग्रसर प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी फाउंडर चांसलर डॉ. निसार अहमद की दूरदर्शिता लाई रंग

एक जीवंत परिसर, सीखने के प्रति उत्साह और ऐसा माहौल जो युवा मन को मोह ले – प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी डॉ. निसार अहमद की दूरदर्शिता का परिणाम है. डॉ .अहमद प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी के संस्थापक चांसलर और प्रेसिडेंसी ग्रुप के चेयरमैन हैं. हरे-भरे परिवेश में स्थित प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु जैसे हरित शहर की आत्मा को अपने परिसर में समेटे हुए है. शिक्षा के क्षेत्र में समृद्ध इतिहास रखने वाला प्रेसीडेंसी ग्रुप आज नवीनतम तकनीक और शिक्षण विधियों को अपनाकर भविष्य की ओर अग्रसर है. यह यूनिवर्सिटी देश और दुनिया भर के छात्रों को आकर्षित करती है और बेंगलुरु के सबसे बड़े परिसरों में से एक है.

डॉ. निसार अहमद, प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी के संस्थापक चांसलर और प्रेसिडेंसी ग्रुप के चेयरमैन, एक दूरदर्शी व्यक्ति हैं जिनकी सोच स्पष्ट और प्रेरणादायक है.करुणाशील नेतृत्व, तीव्र अंतर्दृष्टि और अद्भुत साहस से उन्होंने इस समूह को 50 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ मुकाम तक पहुंचाया है और यूनिवर्सिटी को सिर्फ एक दशक में दक्षिण भारत की सबसे बेहतरीन यूनिवर्सिटी का दर्जा दिलवाया है. डॉ. निसार अहमद मानते हैं कि उच्च शिक्षा युवा छात्रों के व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन पर दीर्घकालिक प्रभाव डालती है, और अच्छी यूनिवर्सिटी ऐसे अनुभव दे सकती है जो छात्रों की अपेक्षाओं को पूरा करें. उन्होंने 1976 में बेंगलुरु में मात्र आठ छात्रों के साथ एक साधारण स्कूल से शुरुआत करके प्रेसिडेंसी समूह को स्कूलों, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी के एक प्रतिष्ठित नेटवर्क में तब्दील कर दिया, जो आज लगभग 30,000 छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहा है.

प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी का पाठ्यक्रम छात्रों के लिए आकर्षक है और इसमें वैकल्पिक प्रोग्राम्स और शॉर्ट टर्म पाठ्यक्रमों की भी व्यवस्था है. यहां अध्ययन के साथ-साथ रिसर्च को भी प्राथमिकता दी जाती है. पाठ्यक्रम की सुदृढ़ता के साथ यूनिवर्सिटी छात्रों के करियर विकास पर भी विशेष ध्यान देती है. छात्रों की रोज़गार

क्षमता को शैक्षणिक मज़बूती और प्रैक्टिकल अनुभव की सुविधाओं के साथ बढ़ावा दिया जाता है. प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी उद्योगों के साथ मज़बूत साझेदारी कर छात्रों को उनके चुने हुए करियर क्षेत्र में मार्गदर्शन देने में अहम भूमिका निभाती है.

यहां विभिन्न विषयों की विशेषज्ञता वाले स्कूल हैं, जैसे इंजीनियरिंग, कंप्यूटर शिक्षा, सूचना विज्ञान, प्रबंधन, वाणिज्य, मानविकी,विधि विज्ञान, मीडिया, स्वास्थ्य विज्ञान और डिज़ाइन. इन स्कूलों में संचालित ज़्यादातर प्रोग्राम्स यूजीसी, भारतीय विधि परिषद, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद जैसी संस्थाओं की ओर से रेगुलेटेड हैं. यहां के संकाय सदस्य विशेष रूप से चुने जाते हैं और अपने-अपने शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट होते हैं. उनके लिए शिक्षण, अनुसंधान और मार्गदर्शन का कार्य समान रूप से महत्वपूर्ण है. इसलिए, यहां हर छात्र को व्यक्तिगत ध्यान दिया जाता है.

प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी नवीनतम तकनीकों का उपयोग, अंतरविषयी और बहुविषयी अध्ययन, मार्गदर्शन व मूल्यांकन प्रणाली, और हर स्तर पर उत्कृष्ट तकनीकी सहायता के चलते उच्च शिक्षा में लगातार प्रगति कर रही है. खेल, संगीत, नृत्य, थियेटर को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्लब बनाए गए हैं और जीवन कौशल प्रदान करने वाली छात्र-केंद्रित पहलों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्रों को सामूहिक रूप में रहने का अनुभव हासिल होता है जो उनके आगामी जीवन को सरल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. कैंपस का सम्पूर्ण अनुभव प्रशिक्षकों से आकार लेता है जो छात्रों को फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, कबड्डी जैसे खेलों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करते हैं. जिम और योग पार्क भी परिसर की विशेषताएं हैं. एनसीसी, एनएसएस जैसे मंचों से जुड़ाव छात्रों को पढ़ाई के अलावा भी आकर्षक अनुभव देता है.

एक संगठित पूर्व छात्र नेटवर्क होने की वजह से उद्योग और बाहरी जगत से इंटर्नशिप और नौकरियों के लिए महत्वपूर्ण मौके वर्तमान छात्रों को मुहैया कराए जाते हैं. सक्षम नेतृत्व इस यूनिवर्सिटी को आगे बढ़ा रहा है, जबकि शीर्ष स्तर के संकाय सदस्य ऐसा सहयोगी शिक्षण वातावरण बनाते हैं जिसमें छात्र सहजता से सीख सकें.

डॉ. निसार अहमद ने किसी आदेश से नहीं, बल्कि अपने विनम्र स्वभाव और प्रेरणादायक साहस से प्रेसिडेंसी ग्रुप की स्थापना की, जिसमें शिक्षक, शीर्ष नेतृत्व और उनका परिवार एक साथ खड़ा रहा. उन्होंने इस यूनिवर्सिटी की स्थापना के बाद इसे एक दशक तक पोषित और विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया और हर दिन उनकी यही कोशिश रहती है कि हर युवा जो यूनिवर्सिटी के कैंपस में दाखिल हो,उसे ऐसा महसूस हो कि वो एक विशाल परिवार का हिस्सा है. डॉ. निसार ये बात भली-भांति जानते हैं कि आज के युवाओं और विश्वविद्यालयों के सामने क्या चुनौतियां हैं,और दोनों ही पक्ष को समझते, सहेजते हुए वो आगे बढ़ रहे हैं. जैसा कि डॉ. निसार अहमद हमेशा कहते हैं: ''विश्व-स्तरीय यूनिवर्सिटी की स्थापना हर शिक्षा-उद्यमी का सपना होना चाहिए और मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूं कि यह एक ऐसा लक्ष्य है जिसे ज़रूर हासिल किया जा सकता है अगर हमारा ध्यान, ज्ञान और तकनीक के नए और उभरते क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करने पर हो, क्योंकि ज्ञान और तकनीक ही विश्व स्तरीय यूनिवर्सिटी के दो सबसे सशक्त स्तंभ हैं.''